डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

सा.अ.16/14/

26 दिसंबर 2024

प्रेस विज्ञप्ति

प्रख्यात लेखक और साहित्य अकादेमी के महत्तर सदस्य श्री एम. टी. वासुदेवन नायर का निधन

साहित्य अकादेमी को अत्यंत दुख और शोक संतप्त करने वाली यह सूचना मिली है कि प्रख्यात मलयालम् लेखक, विद्वान, निर्देशक और साहित्य अकादेमी के महत्तर सदस्य श्री एम. टी. वासुदेवन नायर का कल दिनांक 25 दिसंबर 2024 को निधन हो गया। बहुमुखी प्रतिभा के धनी और सिनेमा के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ने वाले एम. टी. (जैसा कि उन्हें स्नेहपूर्वक पुकारा जाता था) ने अपनी कालजयी कृतियों से कई पीढ़ियों के लेखकों को प्रभावित किया। स्वतंत्रता के बाद के भारतीय साहित्य के महानतम हस्ताक्षरों में से एक, श्री वासुदेवन नायर ने दशकों तक कई युवा लेखकों को खोजा और प्रोत्साहित किया।

सात दशकों के लंबे साहित्यिक करियर में, श्री वासुदेवन नायर ने प्रचुर लेखन किया और उनके अधिकांश उपन्यास और कहानी-संग्रह बेस्टसेलर रहे और आलोचकों द्वारा सराहे गए। उन्होंने मलयालम् सिनेमा में पटकथा लेखक और निर्देशक के रूप में भी लंबे समय तक योगदान दिया और अपनी रचनात्मकता से इसे समृद्ध किया। उन्हें उनके उपन्यास *कालम्* के लिए साहित्य अकादेमी पुरस्कार मिला, लेकिन *रंडामूझम*, जो महाभारत की कहानी को भीमसेन के दृष्टिकोण से पुनः प्रस्तुत करता है, को व्यापक रूप से उनकी उत्कृष्ट कृति माना जाता है।

अपने गौरवशाली करियर में, श्री एम. टी. वासुदेवन नायर ने पद्म भूषण, साहित्य अकादेमी की महत्तर सदस्यता, साहित्य अकादेमी पुरस्कार और ज्ञानपीठ पुरस्कार सहित कई प्रतिष्ठित सम्मान और पुरस्कार प्राप्त किए। साहित्य अकादेमी हजारों साहित्य प्रेमियों के साथ उनके निधन पर शोक व्यक्त करती है और भारतीय साहित्य में उनके निःस्वार्थ और असाधारण योगदान को सादर नमन करती है।

अकादेमी के प्रधान कार्यालय सहित सभी कार्यालयों में श्रद्धांजलि सभा के आयोजन के पश्चात् आधे दिन का अवकाश घोषित किया गया।

- के. श्रीनिवासराव